

## Aarti Kunj Bihari Ki Lyrics in Hindi

आरती कुंजबिहारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]  
आरती कुंजबिहारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

गले में बैजंती माला,  
बजावै मुरली मधुर बाला ।  
श्रवण में कुण्डल झलकाला,  
नंद के आनंद नंदलाला ।  
गगन सम अंग कांति काली,  
राधिका चमक रही आली ।  
लतन में ठाढ़े बनमाली  
भ्रमर सी अलक,  
कस्तूरी तिलक,  
चंद्र सी झलक,  
ललित छवि श्यामा प्यारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

आरती कुंजबिहारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

कनकमय मोर मुकुट बिलसै,  
देवता दरसन को तरसै ।  
गगन सों सुमन रासि बरसै ।  
बजे मुरचंग,  
मधुर मिरदंग,  
ग्वालिन संग,  
अतुल रति गोप कुमारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

आरती कुंजबिहारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

जहां ते प्रकट भई गंगा,  
सकल मन हारिणि श्री गंगा ।  
स्मरन ते होत मोह भंगा  
बसी शिव सीस,

जटा के बीच,  
हरै अघ कीच,  
चरन छवि श्री बनवारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

आरती कुंजबिहारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

चमकती उज्ज्वल तट रेनू,  
बज रही वृंदावन बेनू ।  
चहुं दिसि गोपि ग्वाल धेनू  
हंसत मृदु मंद,  
चांदनी चंद,  
कटत भव फंद,

टेर सुन दीन दुखारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

आरती कुंजबिहारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

आरती कुंजबिहारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

आरती कुंजबिहारी की,  
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की [॥]

## Aarti Kunj Bihari Ki Lyrics in English Transliteration

Aarti kunj bihaari ki,  
Shri girdhar krishna muraari ki [॥]

Aarti kunj bihaari ki,  
Shri girdhar krishna muraari ki [॥]

Gale mein baijanti maala,  
Bajaave murali madhur baala [॥]  
Shravan mein kundal jhalakaala,  
Nand ke aanand nandalaala [॥]  
Gagan sam ang kaanti kaali,  
Raadhikaa chamak rahi aali [॥]  
Latan mein thhaadhe banamaali

Bhramar si alak,  
Kasturi tilak,



